बाढ़ में बहे पुलों की जगह बेली पुल बनाएगी सेना

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

बाढ़ में बह गये आधा दर्जन पुलों को सेना बनाएगी। सेना इन पुलों की जगह बेली पुल (स्कू-पाइप पुल) बनाएगी। अररिया के बैरगाछी गांव में सेना ने सर्वे भी कर लिया है। उम्मीद है एक सप्ताह में यह पुल चालू हो जाएगा। इसके अलावा पांच और पुलों के निर्माण के लिए राज्य सरकार ने केन्द्र के प्रतिष्ठान गार्डेनरिच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड से आग्रह किया है।

पथ निर्माण मंत्री नंदकिशोर यादव ने मंगलवार को विभाग में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बाढ़ से क्षतिग्रस्त 95 प्रतिशत सड़कों पर आवगमन चालू कर दिया गया है। इसका मतलब यह नहीं कि उन सड़कों का निर्माण हो गया है, बल्कि किसी तरह मिट्टी और बोल्डर डालकर उन्हें वाहन चलाने लायक किया गया है। इसके लिए एनएचएआई, रोड मंत्रालय और विभाग के प्रधान सचिव स्थल पर कैंप कर रहे हैं। जिलों से निर्माण की रोज अद्यतन सूचना मिभाग को मिल ही है। छठ बाद इन सड़कों के साथ पुलों का स्थाई निर्माण शुरू होगा। उन्होंने कहा कि राजकीय उच्चपथ और वृहद जिला पथों को मिलाकर कुल 203 सड़कें बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुई हैं। इसके अलावा सात एनएच भी बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। इन सड़कों के निर्माण के लिए लगभग एक हजार करोड़ रुपये की जरूरत होगी। लेकिन हर हाल में छठ के बाद इनपुर काम शुरू हो जाएगा। पैसे की कमी नहीं होगी। जरूरत हुई तो जगह-जगह सड़कों की जगह पुल बनाये जाएंगे ताकि पानी का बहाव नहीं रुके। उन्होंने कहा कि बाढ़ में इस बार पानी का जो वेग था वैसा वेग कभी नहीं देखा। वेग में कई पुल और सड़कें ऐसी बहीं कि उनका पता ही नहीं चल रहा है। एनएच 31 पर आधा दर्जन टूट हुआ था, लेकिन सभी टूटान को 48 घंटे में चलने लायक बना दिया गया।

क्या है बेली पुल : नट-वोल्ट व स्टील प्लेट से झूले की तरह बनने वाला पुल। इसके बीच में कोई स्थाई पाया नहीं होता।